चन्द्रशेखरस्तोत्रस्य प्रारम्भः॥

1

चन्द्रशेखरस्तोत्रम्

श्रीगणेशाय नमः॥ रत्नसानुशरासनं रजताद्रिशृङ्गनिकेतनम्॥ सिंजिनीकृतपन्नगेश्वरमच्यु
तानलसायकं क्षिप्रदग्धपुरत्रयं त्रिदशाधिपैरभिवन्दितं चन्द्रशेषर माश्रये मम किं
करिष्यति वै यमः॥ चन्द्रशेषर चन्द्रशेषर चन्द्रशेषर रक्ष मां चन्द्रशेषर चन्द्रशेषर च
न्द्रशेषर पाहि माम्॥१॥ पंचपादपपुष्पगन्धपदाम्बुजद्वयशोभितं भालेलोचनजातपावक ॥१॥
॥१॥ दग्धमन्मथविग्रहम्॥ भस्मदिग्धकलेवरं भवनाशनं भवमव्ययं चन्द्रशेखरमाश्रये मम
किं करिष्यति वै यमः॥ चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर रक्ष मां चन्द्रशेखर चन्द्रशे
षर चन्द्रशेखर पाहि माम्॥२॥ मत्तवारणमुख्यचर्मकृतोत्तरीयमनोहरं पंकजासन
पद्मलोचनपूजितांघ्रिसरोरुहं॥ देवसिन्धुतरङ्गशीकरसिक्तशुभ्रजटाधरं चन्द्रशेख

चन्द्रशेखरस्तोत्रम् ०

तिवैयमः ॥ चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर रक्ष मां चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर
पाहिमाम् ॥४॥ पन्नगराजमस्तकं भगान्नहरं भुजंगविभूषणं शैलराजसुतापरिष्कृतचारु
वामकलेवरम् ॥ क्ष्वेडनीलगलं परश्वधधारिणं मृगधारिणं चन्द्रशेखरमाश्रये
॥३॥ मम किं करिष्यति वैयमः ॥ चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर रक्ष मां ॥२॥
॥५॥ चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर पाहिमाम् ॥५॥ भक्तवत्सलमर्चितं विमलम्
विहरित्खरं सर्वभूतपतेः पतिं परमोपमेयमनोहरम् ॥ सोमवारगभूकृतासनसो
२ मपाननमाकृतिं चन्द्र शेखरमाश्रये मम किं करिष्यति वैयमः ॥ चन्द्रशेखर
चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर रक्ष मां चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर पाहिमाम् ॥७॥

रमाश्रये मम किं करिष्यति वै यमः॥ चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर रक्षमां चन्द्र
शेखर चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर पाहि माम्॥ ३॥ भेषजं भवरोगिणामखिलापदामप
हारिणां दक्षयज्ञविनाशिनं त्रिगुणात्मकं त्रिविलोचनं॥ भुक्तिमुक्तिफलप्रदं सकला
घसंघनिवर्हणं चन्द्रशेखरमाश्रये मम किं करिष्यति वैयमः॥ चन्द्रशेखर चन्द्रशेख
र चन्द्रशेखर रक्षमां चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर पाहि माम्॥ ४॥ कुण्ड
3 लीकृतकुण्डलीश्वरकुण्डलं वृषवाहनं नारदादिमुनीश्वरैः स्तुतिवैभवं भुवनेश्वरम्
अन्धकान्तकमाश्रितामरपादपं शमनान्तकं चन्द्रशेखरमाश्रये मम किं करिष्य